

SHASRTI (B.A) SYLLABUS

शास्त्री (बी.ए.) पाठ्यक्रम

शास्त्री(बी.ए.) परीक्षा का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन वर्षों का होगा । इसमें संस्कृत विषय अनिवार्य होगा । संस्कृतेतर विषय ग्रहण करने वाले छात्रों के लिए अंग्रेजी अनिवार्य विषय होगा । इसके अतिरिक्त उन्हें निम्न विषयों में से किसी एक का ऐच्छिक विषय के रूप में चयन करना आवश्यक होगा -

1. हिन्दी
2. इतिहास
3. अर्थशास्त्र
4. राजनीतिशास्त्र

संस्कृतेतर विषयों का पाठ्यक्रम कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की बी.ए. प्रथम वर्ष की कक्षा के समान होगा । जिन छात्रों ने संस्कृतेतर विषयों में समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली होगी । उन्हें इन विषयों में परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होगी । संस्कृतेतर विषयों में उत्तीर्णांक प्राप्त करने आवश्यक हैं, परन्तु श्रेणीनिर्धारण- के लिए इन विषयों के अंकों को नहीं गिना जाएगा । संस्कृतविषयक पत्रों की परीक्षा का माध्यम तथा प्रश्न पत्र-की भाषा संस्कृत होगी । अंग्रेजी तथा अन्य संस्कृतेतर विषयों की परीक्षा का माध्यम तथा प्रश्नपत्रों की भाषा अंग्रेजी तथा हिन्दी होगी ।

संस्कृतेतर विषय सम्बन्धी नियम (शास्त्री परीक्षा लिए)

1. संस्कृत विषय साथ संस्कृतेतर विषयों को ग्रहण करने वाले छात्रों के लिए संस्कृतेतर विषयों में अंग्रेजी अनिवार्य है । इसके अतिरिक्त निर्दिष्ट ऐच्छिक किसी एक विषय का चयन करना आवश्यक है ।
2. संस्कृतेतर विषयों का पाठ्यक्रम चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा एतत् विषयों के पाठ्यक्रम के समान होगा । इस प्रकार शास्त्री प्रथम वर्ष में बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष-शास्त्री ,में बी.ए. द्वितीय वर्ष, तथा शास्त्री तृतीय वर्ष में बी.ए. तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम लागू समझा जाएगा ।
3. संस्कृतेतर विषयों की उपर्युक्त अथवा तत्समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को संस्कृतेतर विषयों परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होगी ।
4. संस्कृतेतर विषयों के अंक श्रेणीनिर्धारण के लिए- नहीं गिने जाएँगेउपाधि इन विषयों का /पत्र-प्रमाण , उल्लेख किया जाएगा ।
5. शास्त्री द्वितीय वर्ष में संस्कृतेतर ऐच्छिक विषय वही लिया जा सकता है जिसका प्रथम वर्ष में अध्ययन किया गया हो ।

6. यदि कोई छात्र अंग्रेजी तथा ऐच्छिक विषयों को लेकर बाद में छोड़ना चाहें तो छोड़ सकता है । ऐसे छात्रों को केवल संस्कृत के आधार पर सामान्य प्रमाणपत्र/उपाधि प्रदान की जाएगी, जबकि अंग्रेजी तथा ऐच्छिक विषयों सहित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को विशिष्ट प्रमाणपत्र/उपाधि प्रदान की जाएगी ।
7. परीक्षा परिणाम घोषित होने पर संस्कृतेतर विषयों में अनुत्तीर्ण छात्र चाहे तो केवल संस्कृत विषय में प्रमाणपत्र उपाधि प्राप्त कर सकता है । ऐसा करने के लिए उसे परीक्षा परिणाम की घोषणा के पश्चात् 20 दिन की अवधि में विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग को लिखित आवेदन करना होगा ।
8. सामान्य प्राच्य परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र बाद में संस्कृतेतर अनिवार्य एवम् एक ऐच्छिक विषय की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर विशिष्ट प्रमाण पत्र उपाधि प्राप्त कर सकता है ।

SYLLABUS
SHASTRI(B.A.) (Previous)

पाठ्यक्रमः

शास्त्री(स्नातक)(प्रथमवर्षम्)
English (Paper-A)

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 50

लिखितपरीक्षा – 40

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 10

A. *Chronicles of Time* edited by Asha Kadiyan, reader in English MD, University, Rohtak.

(a) Following poems from *Chronicles of Time: An Anthology of Poems* be deleted:

- (i) “Leisure” by W,H, Davies:
- (ii) “The Flute Player of Brindaban” by Sarojini Naidu
- (iii) “The Soldier” by Rupert Brooke.

(b) The *Pointed Vision: An Anthology of Short Stories* by Usha Bande and Krishan Gopal. (Oxford University Press, New Delhi, with the following deletions and additions).

Deletions:

- (i) “The Saint and the Gobin”
- (ii) “Happiness”
- (iii) “Hands”

Additional to be made:

- (i) Anton Chekhov’s “The Bet”
- (ii) Rabindra Nath Tagore’s “The Postmaster”
- (iii) O.Henry ” “The Gift of the Magi”

C. *Ideas Aglow* edited by Dinesh Kumar and V.B. Abrol

Following essays be deleted form *Ideas Aglow*:

- (i) “It’s Questions Time” by Jayant V. Narlikar
- (ii) “An Interview with Christian Barnard” by N. Ram.
- (iii) “In Humanization of War” by Huch Gutman.

Scheme of Examination

Q. 1 Explanation with Reference to the Context.

The candidate will be required to attempt two passages each (with internal choice) one from the book of poems and the other from the collection of essays. *Ideas Aglow*.

(4+4=08 marks)

Q. 2 Short-answer type questions on poems (five questions to be attempt out of the given eight) **OR** Four short-answer type questions will be set on the prescribed short-stories and four short-answer questions. Will be set on the prescribed essays. The students will be required to attempt any five out of the give eight questions

(4 marks)

Q. 3 One essay-type questions (with internal choice) will be set on each of the prescribed texts A &B. Students will required to attempt one question each from both the texts.

(8x2=16 marks)

Q. 4 One essay-type question (with internal choice) will be set on the book of essays.

08 marks

Q. 5 Items based on the exercise appended to the essays in Text (C).

(04 marks)

English (Paper-B)

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 50

लिखितपरीक्षा – 40

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 10

Text prescribed: *A Remedial English Grammar for Foreign students by F.T. Wood*

The following items be from F.T. Wood's book

- (i) Item Nos, 7: Tag Questions
8: Transformation
9: Confusion of Adjectives and Adverbs
10: Adverbial use of No. Not and None
13: The Prob-Word One.
15: Redundant Pronouns and Prepositions
16: The Use of Correlatives.
18: Errors in the use of individual words;
Please & Thank You, Dates and Times, Greetings and Saluations.

Q.1 Items based on the examples/exercises given in the prescribed text book of Grammar.

12 marks

Q. 2 Comprehension Passage (with five questions at the end)

08 marks

Q. 3 Paragraph

The candidate will be required to write a paragraph on any one of the five given topics.

04 marks

Q. 4 Letter /Application

Students will be asked to write a letter or an application. The question will carry internal choice.)

08 marks

Q. 5 Translation (From Hindi to English, of a passage consisting of 6 of 8 sentences).

08 marks

SYLLABUS
SHASTRI (B.A.) (Previous)

पाठ्यक्रमः

शास्त्री(स्नातक)(प्रथमवर्षम्)

ऐच्छिक विषय

1.हिन्दी

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 100

लिखितपरीक्षा – 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 20

1. 'प्राचीन एवं मध्ययुगीय काव्य' महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ।
2. 'गद्य-शिखर' कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ।

निर्देशः

1. पहला प्रश्न प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य 'नामक काव्य संग्रह से व्याख्या के रूप में होगा । पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कवियों में से किन्हीं चार कवियों की चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी । परीक्षार्थियों को उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या 6 अंकों की होगी और पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा
2. किन्हीं दो कवियों का साहित्यिक परिचय पूछा जायेगा ,जिनमें से परीक्षार्थियों को एक का उत्तर देना होगा । इस प्रश्न के लिए 08 अंक निर्धारित हैं ।
3. निर्धारित कवियों में से किन्हीं दो पर' अनुशीलनी 'में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे । परीक्षार्थियों को किसी एक का उत्तर देना होगा । इस प्रश्न के लिए 08 अंक निर्धारित हैं ।
4. लघूत्तरी प्रश्न द्रुतपाठ में निर्धारित चार कवियों :अमीर खुसरो ,विद्यापति ,भूषण ,घनानन्द पर पाठ्यपुस्तक की 'अनुशीलनी 'में से ही एक-एक प्रश्न अर्थात् चार प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्तः) प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में (उत्तर देने होंगे । प्रश्न परिचयात्मक प्रकृति के होंगे । प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा और पूरा प्रश्न 10 अंकों का होगा ।
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक' गद्य-शिखर 'में संकलित निबन्धों और कहानियों में से व्याख्या के लिए दो-दो अवतरण दिये जायेंगे ,जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक से एक-एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या 6 अंकों की होगी और पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा ।
6. निर्धारित कहानियों और निबन्धकारों में से एक-एक साहित्यिक परिचय पूछा जायेगा ,जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक का उत्तर देना होगा । इस प्रश्न के लिए 6 अंक निर्धारित हैं ।
7. निर्धारित लेखकों में से किन्हीं दो पर' अनुशीलनी 'में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ,परीक्षार्थियों को किसी एक का उत्तर देना होगा । इस प्रश्न के लिए 08 अंक निर्धारित हैं
8. लघूत्तरी प्रश्न द्रुतपाठ में निर्धारित दो कहानीकारों ,मोहन राकेश, मालती जोशी और निबन्धकारों, महावीर प्रसाद द्विवेदी और सरदार पूर्ण सिंह पर 'पाठ्यपुस्तक' अनुशीलनी ' में से एक-एक अर्थात् चार प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त(प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) उत्तर देने होंगे । प्रश्न परिचयात्मक प्रकृति के होंगे । प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का होगा और पूरा प्रश्न 8 अंकों का होगा

9. अन्तिम प्रश्न व्याकरण का होगा जिसकेलिए 08 अंक निर्धारित हैं । इसके अन्तर्गत वर्तनी, पर्याय, विलोम , लोकोक्ति और मुहावरे ,वाक्य के लिए एक शब्द निर्धारित हैं । इसमें 08 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न विकल्प होंगे , प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प होंगे, जिनमें से एक का शुद्ध उत्तर देना होगा ।

2. इतिहास (History)

Option (i): History of India from Earliest Times to 1526 A.D

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 100

लिखितपरीक्षा – 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 20

Outlines of Test

Option (i): History of India from Earliest Times to 1526 A.D,

Note:-1. At least 11 questions will be set up. The candidate will have to attempt 5 questions in all, section.

2. There shall be compulsory question on the map carrying 16 marks (10 for map work and 6 for explanatory note). Blind candidates may not attempt the map question. In lieu of the map question, they may attempt any other question. However, in case, they wish to attempt the map question, the part relating to the explanatory note will carry full marks.
3. There shall be 1 objective. The question will be divided into three Sections. Section I shall have snap short type questions of 10 marks. Section II will have multiple choice questions of 5 marks. Section III will have matching type questions of 5 marks.

Section-I

1. Survey of the sources.
2. Pre-historic hunter-Gatherers: Palaeolithic culture-sequence and geographical distribution: Mesolithic culture distributions, culture development with special reference to rock art.
3. Concept of the Neolithic- Advent of food production.
4. Harappan Culture- Origin, extent, urban planning , nature of political and economic organization, Urban decline and late Harappan India.
5. Society, Polity, economy culture, economic pattern of non-Harappan India.
6. Social developments- Varni, Jati, marriage and property relations.
7. Rise of territorial states.
8. Rise of new religious movements in North India; Doctrines and social dimensions of early Buddhism and Jainism.

Section-II

1. Mauryan Empire- State, administration and economy ; Ashoka's Dhamma-its Nature and Propagation; Mauryan Art and Architecture.
2. Post-Mauryan period- Kushanas, Satavahanas, Cholas and Pandyas.
3. Sangam Age- Literature, Society and Culture.

4. Gupta Empire-Administration, Agrarian and revenue system Urban Settlements and Trade, Society, Art, Architecture, Literature, Science and Technology.
5. Status of Women- Marriage, Property rights, Sati, Purdah and Devadasi system.
6. Post-gupta period upto 750AD-Pallavas, Chalukyas and Vardhanas.
7. Polity and Economy AD 750-1200: Gurjara Pratihara; Palas Rashtrakuta; and Cholas.

Section-III

1. Invasions of Ghaznavids and Ghorids; Causes of Success and Impact.
2. Rise and Expansion of Delhi Sultanate: Iltutmish, Balban, Allauddin Khilji and Mohdammad Tughlaq.
3. Fragmentation and Downfall of the Sultanate.
4. State and Society under the Sultanate: Political and Administrative institutions and Ruling classes.
5. Economic and Technological Developments, 1200-1526: Agriculture, Industry, Trade and Commerce.
6. Religion and Culture: Bhakti and Sufi Movements; Art and Architecture during the Sultanate.

Section-IV

Maps:

1. Important Sites of the Harappan Culture.
2. Ports, Trading Centres and Trade Routes of Ancient India.
3. Extent of Ashoka's Empire, Pillars and Edicts.
4. Extent of Harsha's Empire.
5. Extent of Allauddin Khilji's Empire.
6. Urban Centres during the Sultanate.

Section –V

Objectives Type Questions

Suggested Readings:

- | | |
|----------------------------------|--|
| 1. Adhaya, G.I. | : Early Indian Economics (Kolkata : Asia Publishing House, 1960.) |
| 2. Allchin, B. and Allchin, F.R. | : Rise of Civilisation In India and Pakistan (Delhi : Select Book Service syndicate, 1983.) |
| 3. Allchin, B. and Allchin, F.R. | : Origins of a Civilisation (Delhi, Viking, 1997) |
| 4. Basham, A.k. | : The wonder That was India (Mumbai, Rupa, 1971) |
| 5. Brown Percy | : Indian Architecture, Vol. I (Mumbai, Taraporevala, 1984.) |
| 6. Chakrabarti, D.k. | : India : An Archaeological History, Palaeolithic beginnings to Early Historical Foundation (Delhi, OUP, 1999) |
| 7. Chattopadhyaya, D.P. | : Indian Philosophy (New Delhi, Popular Publishing House, 1986.) |

8. Comprehensive History of India, Vols. II (1957) III (Orient Longman, 1952 IV (Delhi, PPH, 1992.)
9. Dani, A.H. : Recent Archaeological Discoveries in Pakistan (Paris, UNESCO, 1988)
10. Desai, Z.A. : Indo-Islamic, Architectures (Delhi, Publication Division, 1972).
11. Gopal, L. : Economics History of Northern India, 750-1200 (Varanasi, MotilalBanarsida, 1965).
12. Gopal, P.L. and T. S. : Indian Silver Punch-marked Coins (Nasik, Indian Institute of Research in Numismatic Studies, 1985).
13. Gupta, P.L. : Coins: India, the Land and People (New Delhi, NBT 1969).
14. Harle, J.C, : Art and Architecture of the Indian Sub-continent (Harmondsworth, Penguin, 1986).
15. Hirianna, M. : Essential of Indian Philosophy (Delhi, MotilalBanarsidas, 1995)
16. Jha, D.N. and Shrimali, K.M. : Praachin Bharat KaItihas Delhi, Hindi Directorate, 1990)
17. Narashimha, N. : Towards a New formation, South Indian Society under Vijayanagar Rule (Delhi, OUP, 1992)
18. Krishna Deva : Temples of North India (Delhi, NBT1969.)
19. Kulke, H. and D. : History of India (London, Routledge, 1998).
20. Majumdar, R.C. et.al. : History and Culture of the Indian People, Vols. II, III, IV, and V (Mumbai, BharatiyaVidyaBhavan Series 1970, 1979, 1980).
21. Munshi, V.K.M. and R.R. Diwakar : BharatiyaVidyaBhavan Series-Indian Inheritance, 3 Vols. (Bombay, BharityaVidyaBhavan Series 1965, 1970.)
22. NilkantaSastri, K.A. : A History of sourthindia from pre-historic times to the fall of Vijayanagar (Chennai, OUP, 1983.)
23. Panday, A.B. : Early Medieval India, 2 (Allahabad, Central Book Depot, 1970)
24. Richards, John F. : Mughal Empire, New Cambridge History of India 1.5. (Delhi, Cambridge, 1993)
25. Rizvi, S.A.A. : The wonder that was India vol. 2 London, 1987, 11.4.
26. Sastri, K.A.N. : History of Sourth India (Delhi, OUP, 1975.)
27. Satish Chandra : Medieval India from sultanate to the Mughals (Delhi, Haranand Publication, 1977)
28. Sharma, R.S. : Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India (Delhi, MotilalBanarsidas, 1991)

29. Srinivasan, K.R. : Temples of South India, Delhi, NBT, 1972.
 30. Stein, Burton : Peasant, State and society in medieval India (Delhi, OUP, 1980.)
 31. Thapar, B.K. : Recent Archaeological Discoveries in India (Paris, UNESCO, 1985)
 32. Thapar, Romila : A history of India, Vol. I, (Pelican, 1966)
 33. Satish Chandra : Madhya Kalin Bharat 750-1540, Part I (Delhi, Hindi Directorate, 1983)

2. इतिहास (History)

Option (ii) : History of Haryana

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 100

लिखितपरीक्षा – 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 20

Note:- 1. At least 11 question will be set up. The candidate will have to attempt 5 questions in all, selecting at least 1 question from each section.

1. There shall be a compulsory question on the carrying 16 marks (12 for map work and 8 for explanatory note.) Blind candidates may not attempt the map question. In lieu of the question, they may attempt any other question. However, in case, they wish to attempt the map question, the part relating to the explanatory will carry full marks.
2. There shall be 1 objective type question. The question will be divided into three sections section I shall have snap shot type questions 10 marks. Section II will have multiple choice questions of 5 marks. Section III will have matching type questions of 5 marks.

Section-I

1. Sources of Haryana History.
2. Pre-Historic and Proto-Historic remains in Haryana.
3. Extent of Harappan Culture in Haryana.
4. Expansion of Vedic Culture.
5. History of Region from 6th Century B.C. to 2nd A.D.
6. The Rise of Republics: Yaudheyas and Kunindas.
7. The Rise of PushpaBhutis.
8. The Rule of the Gurjana Pratiharas, the Tomaras at the Chauhans.

Section-II

1. Ghaznavid and Ghorid Invasions – Imprints of Haryana
2. Establishment of Turkish Rule : Resistance submission.
3. Socio- Cultural Trends and Changing Economy Haryana till 15th Century.
4. Political structure under the Mughals.
5. Emergence of new Social Ethos and Composite culture and changing Economy under the Mughals.
6. Art and Architecture in Haryana during Medieval
7. Supremacy for power in the 18th Century: Marathi Jats and Sikhs.

Section-III

1. Advent of the British: Resistance, Rebellions a Uprising of 1857 in Haryana.
2. Political Awakening and National Consciousness 1919.
3. Freedom Struggle from 1919 to 1947.
4. PrajaMandal Movement in Princely States; INA and Haryana
5. Growth of Education, Social Change, Social Movements In Haryana.
6. Regional Economy : Nature and Change.
7. Formation of Haryana as a state.

Section-IV

Maps:

1. Important Excavated and Explored Sites of Harappan Culture in Haryana.
2. Town of Historical Importance in Haryana (1000 AD ot 1700 AD)
3. Important Places connected with the Uprising of 1857 in Haryana.
4. Sites of Important Architectural Monuments in harayana.
5. Important Centres in Haryana related to the Freedom Sruggle.

Section-V

Objective Type Question

Suggested Readings:

1. Buddha Prakash : Glimpses of Haryana, Kurukshetra, 1967
2. Buddha Prakash : Haryana Through the Ages, Kurukshetra, 1968
3. GulshanRai : Formantion of Haryana, Delhi, 1981.
4. K.C. Yadav : Haryana kaItihas, 3 Vols, Delhi, 1981.
5. K.C. Yadav : The Revolt of 1857 in Haryana, Delhi, 1977.
6. K.C.Yadav and Rameshwar : Rebels Against the Raj : Who is Who of Freedom
Dass Fighter in Haryana 1885-1947, Delhi, 1984.
7. PremChaudhary : Panjab Politics : The rule of Sir Chhotu Ram,
Delhi, 1986.
8. S.C. Mittal : Haryana : A Historical Perspective, Delhi, 1986.
9. S.R. Phogat : Inscription of Haryana, Kurukshetra, 1978.
10. S.P. Sen : Sources of Indian History, Vol, I, Delhi, 1978.

3. अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 100

लिखितपरीक्षा – 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 20

Paper-I (Micro Economics and Indian Economics Problems)

Note: The question paper will carry a maximum marks and it will consist of 9 questions out of which the candidates would be required to attempt five questions. Each question will carry 16 marks. The first question will be compulsory and it will include objective type questions (10 marks) and short, definitional type questions (10 marks) uniformly spread over, A part only. The remaining 8 questions will include 2

questions from each of the four units and the candidates would be required to attempt one question from each unit.

Preamble:

The units incorporate in this Paper (Part-A) deal with the nature and scope of economics the theory of consumer behavior, analysis of production function and equilibrium of a producer, the price formation in different markets structures and the equilibrium of a firm and industry. In addition, the principles of a factor pricing and commodity pricing have been included.

The purpose of the part-B of the course is to enable. The students to have an understanding of the various issues/components of the Indian economy so that they are able to comprehend and critically appraise current Indian economics problems.

Part-A (Micro-Economics)

Unit-I

Introduction: Nature and Scope of economics, Choice as an economic problem.

Consumer's Behaviour: Utility-Cardinal and ordinal approaches; Indifference curve; Consumers' equilibrium (Hicks and Slutsky), Elasticity of demand- Price, income and cross; Consumer's Surplus.

Theory of Production and Costs: Production decisions; Production function; Isoquant; Law of variable proportions; Returns of Scale; Economies of scale; Different concepts of costs and their inter-relations.

Unit-II

Market Structure and commodity Pricing: Market forms perfect and imperfect markets; Equilibrium of a firm – Perfect competition, monopoly and price discrimination; Measures of monopoly power, Monopolistic competition. Factor Pricing; Marginal Productivity theory of distribution.

Part –B (Indian Economy)

Unit-III

Basic Features, Problems and Planning In India: Characteristics of Indian Economy; Problems of poverty, inequality and unemployment; Objectives of Planning in India – achievements and failures; New Economic Reforms- A basic Idea.

Unit-IV

Agriculture: Nature and Importance, Trends in Agricultural production and productivity; Factors determining productivity, Rural credit, Agricultural marketing.

Industry: Industrial development during the planning period; New Industrial Policy; Growth and problems of small scale industries.

Reading List:

- Bach, G.L. (1971): Economics Prentice Hall of India, New delhi.
- Gauld, J.P. and Edward P.L. (1996) : Microeconomic Theory, Richard D. Irwin, Homewood.
- Henderson J. and R.E. Quandt (1980) : Microeconomic theory : A Mathematical Approach, McGraw Hill, New Delhi,

- Heathfield and wife (1987): An Introduction to cost and production Functions, Macmillan London.
- Koutsoyiannis, A. (1990): Modern Macroeconomics, Macmillan.
- Lipsey, R.G. and K.A. Chrystal (1999): Principles of Economics (9th edition), Oxford University press, Oxford,
- Mansfield F. (1997): Microeconomics (9thedition), W.W. Norton and Company, New York.
- Ray, N.C. (1910) : An Introduction to Microeconomics, Macmillan Company India Ltd, New Delhi.
- Ryan, W.J.L. (1962): Price Theory, Macmillan and Co, Ltd. London.
- Samuelson, P.A. and W.D. Nordhaus (1998): Economics, Tata McGraw Hill, New Delhi.
- Stonier, A.W. and D.C. Hague (1972) : A textbook of Economic Theory, ELBS & Longman Group, London.
- Varian, H.R. (2000) : Intermediate Microeconomics : A Modern Approach (5th edition) , East-West Press, New Delhi,
- Datt, R. and K.P.M. Sundharam (2001) : Indian Economy, S. Chand & Company Ltd., New Delhi.
- Dhingra, I.C. (2001): The Indian Economy: Environment and Policy, Sultan Chand & Sons , New Delhi.
- Dutt, R.C. (1950): The Economic History of India under Early British Rule, Low price Publications, Delhi.
- Kumar, D. (Ed.) (1982): The Cambridge Economic History of India, Vol.II,11007-1970, Orient Longman Ltd. Hyderabad.
- Misra, S.K. and V.K. Puri (2001) : Indian Economy – It Development Experience , Himalaya Publishing House Mumbai

4. राजनीतिशास्त्र (POLITICAL SCIENCE)

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 100

लिखितपरीक्षा – 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 20

Syllabus and Courses of Reading

There will be two optional papers. The students will have to opt only one paper out of two papers.

Option (i) : Political Theory

Note- Total 10 questions will be set, four each from part and B and two from part C. Candidates will have : attempt five questions in all, selecting at least or question from each part.

Part-A

Nature of Significance of Political Theory

Power and Authority

State: Origin and Development

State: Dominant Perspectives

Sovereignty.

Part-B

Citizenship Rights and Liberty
Equality and Justice
Democracy
Development and Welfare State
Theories of Social Change

Part-C

Short answer questions, at least five, spread over the entire syllabus. Objective Type (multiple Choice) questions spread over the whole syllabus.

Readings:

- N.P. Barry : Introduction to Modern Political Theory, London Macmillan, 1995. Princeton N. : Princeton University press, 1984.
- G. Catlin : A Study of the Principle of Politics, London and New York, Oxford University Press, 1930.
- N.J. Hirschman, and C.D. Stefano (eds.) : Revisioning the Political: Feminist Reconstructions of Tradition, Concepts in Western Political Theory, Westview Press Harper Collins, 1996.
- D. Heater, : The Civic Ideal in World History, Citizenship Politics and Education, London, Orient Longman, 1990.
- D. Held, : Models of Democracy Cambridge, Polity Press, 1987.
- G. McLellan, D. Held And S. Hall (eds.) : The Idea of the Modern State, Milton Keynes, Open University Press, 1984.
- D. Miller : Social Justice: Oxford: The Clarendon Press, 199.
- D. Miller (ed.) : Liberty, Oxford, Oxford University Press, 1991.
- D. Miller : Citizenship and National Identities, Cambridge Polity Press, 2000.
- S. Ramaswamy : Political Theory: Ideas and Concepts, Delhi Macmillan, 2002.
- R.M. Titmuss : Essays on the Welfare State, London, George Allen and Unwin, 1956.
- F. Thakurdas : Essays on Political Theory, New Delhi, Gitanjali, 1982
- J. Waldron (ed.) : Theories of Rights, New Delhi, Oxford University Press, 1984.
- S. Wasby : Political Science: The Discipline and its Dimensions, Calcutta, Scientific Book Agency, 1970.

Option (ii): Political Theory—Concepts

पूर्णाङ्कः (Maximum Marks) : 100

लिखितपरीक्षा – 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 20

Note: Total 10 questions will be set, four each from Part A and B and two from Part C. Candidates will have to attempt five questions in all, selecting at least one question from each part.

Part-A

Nature and Significance of Political Theory

Power, Authority and Legitimacy

Elite and Theories of Elite

Bureaucracy

Political Culture, Political Socialization

Part-B

Political Participation

Political Modernisation

Political Development

Nation Building and National Integration

Consumer Protection with Special Reference of India.

Part-C

Short answer questions, at least five, spread over the entire syllabus. Objectives Type (multiple choice) question spread over the whole Syllabus.

Readings:

Amal Ray and Mohit	:	Political Theory:
Bhattacharya	:	Institutions
A.K. Mukhopadhaya	:	Political Sociology: As Introductory Analysis
T.B. Bottomore	:	Elites and Society
R. Blauner	:	Alienation and Freedom
J.LaPalombara	:	Bureaucracy and Political Development
Micheal Rush and Philip Althoff	:	An Introduction to Political Sociology
Lucian W. Pye and Development	:	Political Culture and Political
Sidney Verva (eds.)	:	Development
L.S. Rathore (ed.)	:	Political Sociology.
R. Flathman. (ed.)	:	Concepts in Social and Political
Philosophy.	:	Philosophy.
S.P. Verma	:	Modern Political Theory
Anthony M.Orun	:	Introduction to Political Sociology.
Rajani Kothari	:	State and Nation-Building.
Ralph Milinabd	:	Marxims and Politics.
Giddens and Held (ed.)	:	Class, Power and Conflict.
Lee Ann Osbern	:	The Problem of participation.